हिन्दी प्रादेशिक समाचार

आकाशवाणी चंडीगढ़

(तिथि 07 मार्च 2026, समय 1305 (5 मिनट)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्पादकता और निर्यात क्षमता बढ़ाने के लिए भारत की विविध जलवायु परिस्थितियों का पूर्ण उपयोग करने की आवश्यकता पर बल दिया है। प्रधानमंत्री ने कल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'कृषि और ग्रामीण परिवर्तन' से संबंधित वेबिनार को संबोधित करते हुए देश के कृषि उत्पादों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए उच्च मूल्य की फसलों के उत्पादन को बढ़ाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष के केंद्रीय बजट में उच्च मूल्य वाली कृषि पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है। श्री मोदी ने कहा कि निर्यात बढ़ाने में मत्स्य पालन क्षेत्र बहुत बड़ा कारक है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश भी है। सब मिलाकर देश में लगभग चार लाख टन मछली का उत्पादन होता है। जबकि इसमें 20 लाख अतिरिक्त उत्पादन की संभावना मौजूद है। श्री मोदी ने कहा कि हमारे पास ग्रामीण अर्थव्यवस्था में विभिन्नता का अवसर है। प्रधानमंत्री ने कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी को अपनाने पर भी बल दिया।

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने नई दिल्ली में रायसीना डायलॉग 2026 के दौरान विभिन्न देशों के नेताओं से मुलाकात की। डॉ. जयशंकर ने कल श्रीलंका, भूटान, मॉरीशस, केन्या, माल्टा, सेशेल्स और रवांडा के विदेश मंत्रियों से द्विपक्षीय वार्ता की।

चंडीगढ़ प्रशासन ने वर्ष 2026–27 के लिए नई आबकारी नीति को मंजूरी दे दी है। इस नीति का उद्देश्य नियामकीय निगरानी को मजबूत करना, व्यापार सुगमता को बढ़ावा देना, प्रभावी प्रवर्तन सुनिश्चित करना तथा सरकारी राजस्व की सुरक्षा करना है। नीति के अनुसार शहर में कुल 97 खुदरा शराब ठेके संचालित होंगे। आबकारी नीति में वर्ष 2026–27 के लिए लाइसेंसिंग इकाइयों का कुल आरक्षित मूल्य 454 करोड़ 35 लाख रुपए निर्धारित किया गया है। नई नीति में देशी और अंग्रेजी शराब, भारतीय बीयर और भारतीय वाइन के लिए एक्स-डिस्टिलरी मूल्य में अधिकतम 2% तक की वृद्धि का प्रस्ताव किया गया है। यह वृद्धि आयातित वाइन, आयातित बीयर और आयातित विदेशी शराब पर लागू नहीं होगी। खुदरा कोटा में कोई परिवर्तन नहीं: होगा।

राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान करनाल में चल रहे तीन दिवसीय राष्ट्रीय डेयरी मेले एवं एग्री एक्सपो–2026 में देशभर से आए किसान, डेयरी उद्यमी और कृषि विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। राष्ट्रीय

डेयरी मेले एवं एग्री एक्सपो–2026 का उद्घाटन कल मुख्य अतिथि, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक (पशु विज्ञान) डॉ. राघवेंद्र भट्टा तथा उप महानिदेशक (कृषि विस्तार) डॉ. राजवीर सिंह द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथियों ने प्रदर्शनी में लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया और डेयरी क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों तथा नवाचारों की जानकारी ली। उन्होंने किसानों, स्टार्टअप प्रतिनिधियों और महिला स्वयं सहायता समूहों से भी संवाद कर उनके अनुभवों को जाना। मीडिया से बात करते हुए डॉ. राघवेंद्र भट्टा ने कहा दूध उत्पादन में आज हम विश्व में नंबर एक है और हमारा 2030 तक दूध उत्पादन 300 मिलियन टन करने का लक्ष्य है। इसको कैसे बढ़ाया जाए इस पर 3 दिन किसानों और वैज्ञानिकों से बात की जाएगी।

अश्विनी कुमार शर्मा, चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को किसानों को औषधीय और सुगंधित पौधों की खेती के प्रति प्रोत्साहित करने को कहा है। ताकि कम कृषि भूमि वाले किसान की आमदनी भी बढ़ सकी।उन्होंने अधिकारियों को सूक्ष्म सिंचाई को बढ़ावा देकर किसानों में पानी की बचत के प्रति जागरूकता पैदा करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री कल चंडीगढ़ में हरियाणा किसान कल्याण प्राधिकरण की "रिपोर्ट ऑफ़ वर्किंग ग्रुप ऑन प्रमोशन ऑफ़ मेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स इन हरियाणा" तथा " रिपोर्ट ऑन वर्किंग ग्रुप ऑन प्रमोशन ऑफ़ माइक्रो इरिगेशन इन हरियाणा" का विमोचन कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत दुनिया के सबसे बड़े औषधीय जड़ी-बूटियों के निर्यातकों में शामिल है और इस क्षेत्र में हरियाणा भी अपनी रणनीतिक सूझ बूझ और मजबूत कृषि ढांचे से महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। उन्होंने कहा कि यदि राज्य में औषधीय और सुगंधित पौधों को टिकाऊ और योजनाबद्ध तरीके से बढ़ावा दिया जाए तो यह क्षेत्र किसानों और उद्यमियों के लिए बड़े आर्थिक अवसर पैदा कर सकता है। उन्होंने कहा कि इन पौधों के प्रसंस्करण, निष्कर्षण और मूल्य वर्धित उत्पादों के निर्माण और बिक्री से यह क्षेत्र ग्रामीण इलाकों में रोजगार के नए अवसर भी पैदा कर सकता है और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने खरीफ फसलों के लिए मूल्य नीति निर्धारण पर आयोजित बैठक अध्यक्षता भी की और इस संबंध में प्रस्ताव तैयार करके केंद्र सरकार को भेजने के निर्देश दिए।